राज्यपाल सचिवालय
राजभवन, जयपुर

राजभवन में दिव्य राम कथा के चौथे दिन सन्तश्री ने सुनाया अशोक वाटिका का प्रसंग

भक्ति तर्क का नहीं श्रद्धा और भाव का विषय– सन्त श्री विजय कौशल महाराज

जयपुर, 30 अगस्त। संत श्री विजय कौशल ने मंगलवार को कहा कि कथा जीवन की व्यथा को दूर करने का सबसे बड़ा साधन है। उन्होंने कहा कि राम कथा ही सबसे सुंदर, मनोरम है बाकी सब वृथा है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम हनुमान जी के मुख से बोलते हैं।

संत श्री विजय कौशल जी महाराज ने राजभवन में चल रही दिव्य राम कथा के चौथे दिन मंगलवार को हनुमानजी के अशोक वाटिका में सूक्ष्म रूप में प्रवेश कर माता सीता से मिलने की कथा सुनाई।

राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने पूर्व में भगवान श्रीराम की विधिवत पूजा–अर्चना की। उन्होंने कहा कि राम नाम ही मानव जीवन का सार है। उन्होंने संत श्री विजय कौशल जी महाराज का अभिनंदन करते हुए उनकी कथा कहन को विरल बताया।

संत श्री विजय कौशल महाराज ने राम कथा में रामदूत हनुमान द्वारा मां जानकी को विश्वास दिलाने के लिए 'करुनानिधान' शब्द का प्रयोग करते इस शब्द के महत्व को भी प्रतिपादित किया। उन्होंने भगवान श्री राम द्वारा भेजी मुद्रिका सौंपने का मार्मिक वर्णन किया। उन्होंने रामचरित मानस की पंक्तियां–तब देखी मुद्रिका मनोहर। राम नाम अंकित अति सुंदर।।' का गान करते हुए राम और सीता के पावन सम्बन्ध की विरल व्याख्या की।

सन्तश्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण बांसुरी और भगवान श्रीराम हनुमान जी के मुख से बोलते हैं। जब सीताजी ने हनुमान जी से श्रीराम का हाल जानना चाहा तो स्वयं रामजी के बोल हनुमान जी के मुख से इन शब्दों में व्यक्त हुए– कहेउ राम बियोग तव सीता। मो कहुँ सकल भए बिपरीता। नव तरु किसलय मनहुँ कृसानू। कालनिसा सम निसि ससि भानू।

इससे पहले संत श्री विजय कौशल जी ने मंगलवार को मीरां की भक्ति और समर्पण का बखान भावपूर्ण ढंग से किया। उन्होंने कहा कि भक्त शिरोमणि मीरां ने कृष्ण को गाया, कृष्ण को जिया और अंत में कृष्ण में ही समा गईं। उन्होंने कहा कि भक्ति तर्क का विषय नहीं है बल्कि श्रद्धा और भाव का विषय है। भक्ति में वह शक्ति होती है जो नास्तिक में भी आस्था की ज्योति जला देती है। संत श्री ने मीरां की भक्ति की महिमा बताते हुए यह भजन गाया– म्हाने चाकर राखो जी, गिरधारी लाला म्हाँने चाकर राखोजी। चाकर रहस्यूँ बाग लगास्यूँ नित उठ दरसण पास्यूँ। बिन्दरावन री कुंज गली में , गोविन्द लीला गास्यूँ। चाकरी में दरसन पास्यूँ, सुमरन पास्यूँ खरची। इसके बाद उन्होंने जब राम नाम मस्तानी मैं तो नाचूंगी... भजन गाया तो मानो पूरा कथामंडप ही भक्ति भाव से झूम उठा।

सांसद श्री घनश्याम तिवाड़ी, विधायक श्रीमती सूर्यकान्ता व्यास सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन और श्रद्धालुओं ने राम कथा का आस्वाद किया।

———